वार्षिक रिपोर्ट

(18 May 2019 – 31 May 2020)

उतरायणी की वर्तमान कार्यकारिणी 18 मई 2019 को गठित हुई जिसमें वरिष्ठ अनुभवी एवं युवा अधिकारियों का एक उत्तम मिश्रण है। जिनका एकमात्र उत्तरायणी के उद्देश्यों को सफलता पूर्वक साकार करना है और सभी सदस्यों के सहयोग और मार्गदर्शन से उतरायणी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है । पिछले एक वर्ष के अन्तराल में हुए क्रिया-कलापों का संक्षेप में विवरण आपके समक्ष प्रस्तुत है ।

कर्नल विपिन पाण्डेय के नेतृत्व में वर्तमान कार्यकारिणी ने पहली बैठक में पूरे वर्ष के कार्यकलापों की रूपरेखा तैयार की और फिर सभी कार्यकारी सदस्यों ने इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एकजुट प्रयास शुरू कर दिए ।

अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए कार्यकारी समिति ने सदस्यता अभियान के अंतर्गत वर्तमान सदस्यों से संपर्क स्थापित किया और साथ ही साथ पिछले 1 साल में 50 से अधिक नए कार्यरत अधिकारियों को सदस्य बनाया । उतरायणी में एक नई ऊर्जा का संचार अनुभव किया गया । अब सदस्य, कार्यकारी सदस्यों की सूचनाओं का उत्सुकता से इंतज़ार करते हैं और जरूरी जानकारियों का आदान प्रदान भी कर रहे हैं । हम अपनी सदस्य सूची और क्रियाक्लापों को अपनी WEBSITE पर बराबर अपडेट भी कर पा रहे हैं ।

श्री लाल सिंह नेगी जी, जो कि उतरायणी के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व सचिव भी हैं,की अध्यक्षता में गठित MoA संशोधन समिति का गठन किया गया । कार्यकारी समिति में विस्तृत चर्चा के बाद आवश्यक संशोधनों को अनुमोदन के लिए महानिकाय (जनरल बॉडी) में सभी उपलब्ध संचार तकनीकों का उपयोग करते हुए अगस्त के पहले सप्ताह में सभी सदस्यों को नोटिस भेजा गया और 31 अगस्त 2019 को विशेष जनरल बॉडी (SGBM) की बैठक बुलाई गई । SGBM में 100 से अधिक सदस्यों का शामिल होना और उत्साहपूर्वक विचारों और शंकाओं का निवारण, एकमत से सहमत होकर सभी संशोधनों का पारित होना एक सुखद अनुभूति देता है । जो सदस्य SGBM में किन्हीकारणो से शामिल नहीं हो सके, उन्होनें ईमेंल से कार्यकारी समिति द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का समर्थन किया । इस बैठक में रेकॉर्ड किए गए कार्यव्रतों (MoM) को, अगली SGBM जो कि 2 नवम्बर 2019 को बुलाई गई, और इन संशोधनों को पुनः अनुमोदन करके सभी दस्तावेज़ रजिस्ट्रार सोसाइटी को भेज दिये गए हैं ।

हमने अपने CA से परामर्श करके 12A एवं 80G के अंतर्गत मिलने वाली छूट से जुड़े आवश्यक कदम उठाए और अंततः 28 फरवरी को हम 80G सर्टिफिकेट को पाने में सफल हुए।

उतरायणी के सदस्य जून 2019 में दिल्ली में आयोजित एक व्हीलचेयर आधारित क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने आई Uttarakhand Warriers की टीम का उत्साहवर्धन किया और आर्थिक सहायता भी दी।

उतरायणी ने 22 सितंबर 2019 को स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ चिकित्सालय, पेटशाल अल्मोड़ा में, स्वामी विवेकानंद स्वास्थ्य मिशन के साथ मिलकर ,एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जिसमें 263 ग्रामीण लोगों ने भाग लिया । उतरायणी सदस्य और RML Hospital, Delhi के न्यूरो सर्जन ड़ा शरद पाण्डेय और AIIMS Rishikesh के डॉ. दीपक सुंद्रियाल के नेतृत्व में कैंसर रोग, नेत्र रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग विशेषज्ञों और फिजीशियन ने 124 महिलाओं और 139 पुरुषों का विभिन्न रोगों के लिए उपचार किया। डॉ. दीपक सुंद्रियाल ने केन्सर जागरूकता पर एक व्याखयान भी दिया ।

CoE का क्रियान्वयन इस वर्ष की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। बहुत समय से लंबित CoE के MoU के 7 दिसंबर 2019 को साइन होने के साथ ही इस **उत्कृष्ता केंद्र "ज्ञान गंगा"** के नियमित संचालन होने की प्रक्रिया के तहत Col DP Dimri ,Sh HC Jayal और Sh JP Bahukhandi को सर्वसम्मति से CoE की Integrated Management Committee के लिए नामित किया गया।

उत्कृष्ता केंद्र ज्ञान गंगा की Faculty के चयन की प्रक्रिया जो कि फरवरी / मार्च में हो जानी थी वो COVID19 Pandemic के चलते पूरी नहीं हो पाई।

उतरायणी ने 1 अक्तूबर 2019 को, भारत सरकार के जल शक्ति अभियान के अंतर्गत, उतराखंड में जल संरक्षण विषय पर, India International Centre दिल्ली में एक दिन की संगोष्ठी आयोजित की । Sh S D Sharma, Sh Kailash Chander, Sh Lokesh Gairola ji ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने में बहुमूल्य योगदान दिया।

उतरायणी ने UDRF के साथ मिलकर भविष्य में भी इस प्रकार की संगोष्ठियों से अर्जित सूचनाओं/जानकारियों को कार्यान्वित करने की योजना बनाई है ।

उतरायणी ने ONGC के CSR FUND से कोशी नदी के PLANTATION का एक PROJECT submit किया है और उम्मीद है कि इस FINANCIAL year में उतरायणी इस कार्य को पूरा कर पाएगी। साथ ही नैनीडांडा ब्लॉक में सूखे जल स्ट्रोतों को पुनर्जीवीत करने की दिशा में भी बात चल रही है।

जैसा कि आप सभी लोग जानते हैं कि इस वर्ष 23 नवंबर को उतरायणी ने एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें उतरायणी परिवार के ही अधिकतर सदस्यों और परिवार के लोगों ने प्रस्तुति दी और इस पहल को काफी सराहा भी गया।

इस उपलक्ष्य में हमने **वार्षिक स्मारिका** और **जल संरक्षण सेमीनार वर्णिका** का विमोचन किया जिनके सभी लेख काफी सराहे गए।

उतरायणी की तरफ से 2 लाख रूपये उतराखंड मुख्य मंत्री आपदा राहत फण्ड में योगदान देने का निर्णय लिया गया है। जिसमें 4 सदस्यों द्वारा उतरायणी के मार्फत 20000 रु का दिया गया योगदान भी है।

उत्तराखंड में विकास के लिए अध्यक्ष, कर्नल बिपिन पांडे, ने कुछ प्रोजेक्ट्स के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की। यह रिपोर्ट अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्यों श्री गौड़, श्री शर्मा और श्री गैरोला जी द्वारा उत्तराखंड के सांसदों श्री अजय भट्ट , श्री अजय टम्टा, श्री अनिल बलूनी, और श्री निशंक, माननीय मंत्री, भारत सरकार को सोंपी गई।

अंत में मैं सभी कार्यकारिणी सदस्यों को धन्यवाद देना चाहूँगा कि जिन्होने एक सफल टीम कि भांति कार्य किया और जो विश्वास उत्तरायणी की GENERAL BODY ने हम लोगों पर जताया हम उन उम्मीदों पर काफी हद तक सफल रहे।